भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3219

22 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए नियत

इलेक्ट्रिक वाहन

3219. श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में, विशेषकर कर्नाटक में वर्तमान में परिचालित इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का ब्यौरा क्या है और इनकी संख्या कितनी है और दो, तीन और चार पहिया वाहनों के संबंध में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कर्नाटक में उपयोग किए जा रहे कुल वाहनों के संबंध में ईवी का अनुपात क्या है;

(ग) कर्नाटक में ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए जिले-वार बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग की कितनी सुविधाएं उपलब्ध हैं;

(घ) क्या सरकार ने ईवी के उपयोगकर्ताओं को प्रोत्साहित करने और इसे उपभोक्ताओं के लिए वहनीय बनाने के लिए कर प्रोत्साहन और राजसहायता प्रदान करने की पेशकश की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार का कच्चे माल की कमी से निपटने के लिए देश में लिथियम-आयन बैटरी पुनर्चक्रण केंद्र स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री कृष्ण पाल गुर्जर)

(क) और (ख) : महोदय, ई-वाहन पोर्टल (सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय) के अनुसार, कर्नाटक सहित देश में वर्तमान में चल रहे इलेक्ट्रिक वाहनों का विवरण **अनुलग्नक-I** में है। साथ ही, कर्नाटक में उपयोग में लाए जा रहे कुल वाहनों के मुकाबले इलेक्ट्रिक वाहनों का अनुपात 0.34 प्रतिशत है।

(ग) : महोदय, फेम इंडिया स्कीम, चरण-II के अंतर्गत कर्नाटक राज्य में कुल 172 चार्जिंग स्टेशनों की स्वीकृत किया गया है। इन 172 स्टेशनों में से 152 चार्जिंग स्टेशन बेंगलूरू शहर के

लिए तथा 10-10 चार्जिंग स्टेशन गुलबर्गा और मेंगलूरु शहर के लिए स्वीकृत किये गये हैं। स्कीम के चरण-I के अंतर्गत, बेंगलूरू शहर में कुल 60 चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये गये हैं।

साथ ही, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दिनांक 01.01.2022 को दी गई सूचना के अनुसार, कर्नाटक राज्य में खुदरा बिक्री केंद्र में कुल 100 चार्जिंग स्टेशन और 5 बैटरी स्वैपिग केंद्र उपलब्ध हैं।

(घ) : इसके अतिरिक्त, देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के अंगीकरण हेतु सरकार ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

i. भारी उद्योग मंत्रालय ने देश में इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड वाहनों के अंगीकरण को बढ़ावा देने के लिए भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहन का तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण (फेम इंडिया) स्कीम 2015 में तैयार की थी। वर्तमान में, फेम इंडिया स्कीम के चरण-II को कुल 10,000 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता से 01 अप्रैल, 2019 से 5 वर्ष की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।

ii. सरकार ने देश में बैटरी की कीमतों को कम करने के लिए देश में उन्नत रसायन सेल (एसीसी) के विनिर्माण हेतु उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम को 12 मई, 2021 को मंजूरी दी। बैटरी की कीमत में गिरावट से इलेक्ट्रिक वाहनों की लागत में कमी आएगी।

iii. ऑटोमोबिल और ऑटो घटकों के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल किया गया है। इस स्कीम को कुल 25,938 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय से दिनांक 15 सितंबर, 2021 को पाँच वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदित किया गया था।

iv. इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी को 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है; इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जरों/चार्जिंग स्टेशनों पर जीएसटी को 18% से घटाकर 5% कर दिया गया है।

v. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने घोषणा की है कि बैटरी से चलने वाले वाहनों को हरे रंग की लाइसेंस प्लेट दी जाएगी और उन्हें परमिट लेने की आवश्यकता नहीं होगी।

vi. सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी कर राज्यों को इलेक्ट्रिक वाहनों पर पथकर माफ करने की सलाह दी है जिससे इलेक्ट्रिक वाहन की शुरुआती लागत को कम करने में मदद मिलेगी।

(ड.): महोदय, लिथियम-ऑयन बैटरियों के लिए पुनर्चक्रण केन्द्र की स्थापना करने संबंधी ऐसा कोई प्रस्ताव मंत्रालय में विचाराधीन नहीं है। साथ ही, भारत सरकार ने 18,100 करोड़ रूपये के परिव्यय से 50 गीगावाट घंटे की एसीसी और 5 गीगावाट घंटे की "उत्कृष्ट" एसीसी की विनिर्माण क्षमता प्राप्त करने के लिए 'उन्नत केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण राष्ट्रीय कार्यक्रम' को दिनांक 9 जून 2021 को अधिसूचित किया है।

***

अनुलग्नक-I

वर्तमान में कर्नाटक सहित देश में चल रहे इलेक्ट्रिक वाहनों का विवरण

राज्य का नाम	कुल वाहनों की संख्या	इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या					
		दुपहिया	तिपहिया	चौपहिया	माल वाहक	अन्य	कुल योग
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	145,161	1	30	81		47	159
अरुणाचल प्रदेश	242,266	14		5		1	20
असम	4,578,235	916	50,765	164	7	17	51,869
बिहार	10,067,557	6,076	62,929	127	11	34	69,177
चंडीगढ़	731,562	338	1,482	196		41	2,057
छत्तीसगढ़	6,700,786	7,578	5,720	137	1,077	472	14,984
दिल्ली	12,514,373	19,084	115,753	3,326	50	1,711	139,924
गोवा	1,053,309	1,670	29	369	13	41	2,122
गुजरात	20,154,672	18,130	1,968	1,534	26	705	22,363
हरियाणा	10,600,301	8,969	19,519	207	120	110	28,925
हिमाचल प्रदेश	1,926,751	460	168	41	5	131	805
जम्मू और कश्मीर	1,804,894	1,609	117	17	6	51	1,800
झारखंड	6,329,535	3,559	9,451	131	20	59	13,220
कर्नाटक	**26,516,682**	**65,171**	**16,489**	**6,668**	**136**	**1,405**	**89,869**
केरल	15,553,695	13,163	2,274	2,936	37	37	18,447
लद्दाख	35,278	12				0	12
महाराष्ट्र	30,414,113	61,848	6,667	6,945	30	1,559	77,049
मणिपुर	479,856	90	453	2	1	1	547
मेघालय	445,991	16	10	9	2	0	37
मिजोरम	306,662	9	1	2	2	4	18
नागालैंड	329,886	44		4	3	3	54
ओडिशा	9,667,066	12,807	1,948	152	16	44	14,967
पुडुचेरी	1,199,730	1,628	36	73	8	21	1,766
पंजाब	12,281,051	7,044	3,440	124	34	24	10,666
राजस्थान	16,994,999	27,613	31,525	962	25	27	60,152
सिक्किम	93,440	1		11	1	9	22
तमिलनाडु	29,382,741	52,359	4,757	2,427	1,294	226	61,063
त्रिपुरा	642,823	70	7,961	11	1	1	8,044
दादरा नगर हवेली और दमन दीव संघ राज्य क्षेत्र	302,421	76	38	15		16	145
उत्तर प्रदेश	39,347,563	20,361	268,384	379	59	391	289,574
उत्तराखंड	3,279,417	3,015	22,728	192	1	31	25,967
पश्चिम बंगाल	13,853,707	3,193	41,335	683	28	139	45,378
कुल योग	277,976,523	336,924	675,977	27,930	3,013	7,358	1,051,202

*****